JSC-5-HI

मसीह के न्याय आसन के सामने आपको क्या प्रतिफल और न्याय मिल सकता है - प्रोग्राम 5

अनाऊंसर: वचन में विश्वासियों से कहा गया है, कि हम सबको मसीह के न्याय सिंहासन के सामने जाना होगा, लेकीन इस न्याय का उद्देश्य क्या है? क्या यीशु ने हमारे पापों के लिए पूरा दाम नही चुकाया और परमेश्वर उन्हें फिर स्मरण नही करता?

यदि ऐसा है तो फिर विश्वासियों का न्याय मसीह के द्वारा क्यों होगा? इस न्याय का उद्धार से कोई संबन्ध नही है/ उद्धार तो पूरी तरह से परमेश्वर का मुफ्त का वरदान है, जिस पल कोई मसीह में विश्वास करता है वो इसे उसी पल पाता है/

लेकिन मसीह के न्यायआसन का संबन्ध इससे है कि उसने हमें उद्धार देने के बादहम मसीह के लिए कैसे जीए, मसीह के लिए हम ने जो भी किया उसका मुल्यांकन कर प्रतिफल दिया जाएगा/

बाइबल कहती है कि हम सबको मसीह के न्याय आसन के सामने प्रकट होना होगा, कि हरकोई जिसे जो मिलना चाहिए वो पा सके, जो उन्होंने शरीर में किया था, चाहे भला या बुरा हो/

हम समझ सकते हैं कि हम ने जो उसके लिए भला किया है उसका प्रतिफल हम पाएगे, लेकिन इसका क्या अर्थ है जब बाइबल कहती है कि हम ने जो बुरा किया है उसका भी हम प्रतिफल पाएगे? क्या अविश्वासयोग्य विश्वासी विश्वासयोग्य विश्वासी जैसे प्रतिफल नही पाएगे?

लेकिन क्या मसीह के न्याय आसन के सामने आँसू होंगे? क्या प्रतिफल, आदर और सौभाग्य खो दिए जाएंगे, जो स्वर्ग में पुरे अनंतकाल तक हमारे स्थर को निश्चित करेगा?

बाइबल से इन सवालों का जवाब देने में मदत करने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉ/ अरविन लुथजर हैं, मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर, शिकागो, इलेनॉय से, हम इस बात को देखेंगे कि जब यीशु मसीह के न्याय आसन के सामने आपके जीवन का मुल्यांकन करेगा तो क्या पाएगा/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है, बाइबल कहती कि हम सब विश्वासी के रूप में मसीह के न्याय आसन के सामने खड़े होते, ये इस बारे में न्याय नही कि क्या हम स्वर्ग में जाएगे या नही या हमारे पाप क्षमा होंगे या नही/ ये उसी पल दूर होता है जब हम मसीह में विश्वास करते हैं, लेकिन इस न्याय में मसीह देखता है कि हम उसके लिए कैसे जीए हैं, उसने आपको उद्धार देने के बाद में, यदि आप विश्वासी के नाते विश्वासयोग्य रूप में उसकी सेवा करते आए हैं, वो प्रतिज्ञा करता है कि ऐसे प्रतिफल देगा जो अनंतकाल तक बने रहेंगे, यदि विश्वासी जैसे नही रहे हैं, और आप उसके जैसे जीवन को देखे, और देखे कि वो कैसे प्रतिफल देता है, जो हो सकता था,आज इस विषय को देखते हुए हम कुछ सवालों का जवाब देंगे, यदि मैं विश्वासी के नाते अपने जीवन का ज्यादा भाग अविश्वासी जैसे जीता हूं तो, और फिर अपने जीवन के अंत में मैं मसीह पर विश्वास करता हूं, शायद आप खुद को ऐसी परिस्थिति में देखे, आपके पास कुछ साल या कुछ महीने रह गए हैं कि मसीह के लिए जीवन जीए, क्या आपके पास कोई अवसर है कि मसीह से महान प्रतिफल पाए, आज मेरे मेहमान हैं डॉ. अरविन लुथजर, मुड़ी चर्च के सीनियर पास्टर शिकागो इलिनाय से, ये इस तरह इस सवाल का जवाब देते हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं जॉन एक दृष्टांत मुझे परेशान करता था, मुझे याद है, बचपन में मैं इसे पढ़ता था और कहता था कि ये कोई अर्थ नही रखता है, ये मत्ती अध्याय 20 में है और इसका संबंध प्रतिफल से है/ और इस सन्दर्भ में याद रखिए पतरस ने यीशु से कहा, उसने कहा, हम सबकुछ छोड़ आए हैं, और हमारे साथ क्या होगा और यीशु ने कहा, जिस किसी ने घरों, या भाईयों, या बहनों, या पिता, या माता, या बाल-बच्चों या खेतों को मेरे नाम के लिए छोड़ दिया है उसको सौ गुना मिलेगा और वह अनंत जीवन का अधिकारी होगा/

क्या ये हमें याद नही दिलाता कि परमेश्वर बहुत उदार है, वो हमारी आशा से बहुत बढकर प्रतिफल देगा/ हम जिसके लायक है उससे बढकर, वो ऐसा करने में दिलचस्पी लेता है क्योंकि वो हम से प्रेम करता है, और हम उसकी सन्तान हैं/

फिर यीशु एक दृष्टांत बताता है, और सामान्य रूप में विचार यही है, वो कहता है कि स्वर्ग का राज्य किसी गृहस्वामी के समान है जो सबेरे निकला कि अपनी दाख की बारी में मजदूरों को लगाए/

अब इस के बारे में सोचिए कि यहाँ कुछ लोग काम करने का इंतजार कर रहे हैं, वो सुबह 6 बजे जाता है, और वो इन लोगों को काम देता है और ये कहता है जब वो सहमत हुए, एक दीनार पर, ये एक दिन की मजदूरी है, उसने उन्हें दाख की बारी में भेजा, और फिर यही मनुष्य सुबह 9 बजे जाता है, दोपहर में जाता है, दोपहर 3 बजे जाता है, और शाम को 5 बजे भी जाता है, सब शाम 6 बजे बन्द होता है, और इन लोगों ने कहा खैर जो भी सही है देना और वो दाख की बारी में आकर काम करने लगे/

और अब कहानी को देखते हैं क्योंकि मजदूरी का समय है, शाम 6 बजे के बाद, और दाख की बारी के स्वामी ने कहा, पिछले लोगों को बुलाओ, और मैं उन्हें पहले मजदूरी दूंगा, वो सब कतार में खड़े हुए और बाइबल कहती है, कि सब को एक दीनार मिली, एक दूँ की मजदरी, एक घन्टे के काम के लिए/

क्या कल्पना कर सकते हैं कि वो दौडकर घर जाते और पत्नी से कहते हैं, अरे सुनो, तुम्हें विश्वास नही होगा कि इस दाख की बारी का मालिक कितना उदार है, हमने एक घन्टे काम किया और एक दिन की मजदूरी मिली, आज अच्छा भोजन करेंगे, हम इसे देख सकते हैं, हैं ना?

और जब पहले आए लोगों को मजदूरी देने का समय आया, वो बहुत उत्साहित हुए, क्योंकि उन्होंने सोचा कि यदि उन्हें एक घंटे के काम के लिए दिनभर की मजदूरी मिली, तो फिर हमें क्या मिलेगा? शायद 12 दीनार मिले, खैर, ये कहता है जो पहले आए उन्होंने समझा कि हमें अधिक मिलेगा, परन्तु उन्हें भी एक दीनार मिला, और जब उन्हें मिला तो अक्सर चर्च में होता है, चर्च की लॉबी में होता है, बिजनेस मीटिंग, बाइबल कहती है, वो स्वामी पर कुडकुड़ाने लगे, इन पिछलों ने एक ही घंटा काम किया और तूने उन्हें हमारे बराबर कर दिया, जिन्होंने दिन भर का भर उठाया और धूप सही है/

उसने उन में से एक को उत्तर दिया, हे मित्र, मैं तुझ से कुछ अन्याय नही करता, क्या तूने ही मुझ से एक दीनार न ठहराया था? जो तेरा है उठा ले और चला जा, मेरी इच्छा यह है कि जितना तुझे दूँ उतना ही इस पिछले को भी दूँ/ क्या यह उचित नही कि मैं अपने माल से जो चाहूँ सो करूं? क्या मेरे भले होने कारण तू बुरी दृष्टि से देखता है, जो पिछले हैं, वे पहले होंगे और पहले पिछले होंगे/

अब जॉन सवाल ये है कि हम इस दृष्टांत के साथ क्या करें, क्या अर्थ लगाए, मैं सोचता हूं कि इसने उस मुद्दे पर बात की जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं, खासकर, उनके बारे में क्या जो राज्य में देरी से आते हैं? मुझे याद है हॉस्पिटल में एक मनुष्य को मसीह के उद्धार में अगुवाई कर रहा था, वो 3 हफ्तों के बाद मर गए, क्या उनके

पास प्रतिफल के लिए कोई अवसर है? खैर बता दूँ कि लोग इस दृष्टांत से सिखाते हैं कि सबको एक जैसे ही प्रतिफल मिलेगा, किसी भी संभव तरह से ये सही अर्थ नही हो सकता है/ क्योंकि पहले यीशु ने कहा, इसी सन्दर्भ में, उसने कहा जो अपने घर, माता-पिता और खेतों को छोड़ देते हैं, उन्हें बहुत ज्यादा प्रतिफल मिलेगा, तो ये इस दृष्टांत का अर्थ नही हो सकता/

और न ये दीनार उद्धार के बारे में दिखाते हैं, मैं सोचता हूं कि इस दृष्टांत का सम्बम्ध लोगों की सेवा करने की मनोदशा से है, ध्यान दीजिए कि जो शुरू में आए, ये वचन 2 में कहता है, जब वो दिन की मजदूरी के रूप में एक दीनार के लिए स्वामी के साथ सहमत हुए, तो उसने उन्हें दाख की बारी में भेज दिया, मतलव यहाँ मोल भाव हो रहा था, उन्होंने कहा कि मैं इस दाख की बारी में तब तक पांव नही रखूंगा जब तक ये न बाते कि आप मुझे कितना दाम देनेवाले हैं, दिलचस्प रूप में दूसरों ने धन्यवादी होकर कहा कि हम इस अवसर के लिए धन्यवाद देते हैं, और हम अपना काम करेंगे और उन्हें उदारता से प्रतिफल दिया गया/

अब इसमें सोचिए कुछ विचार हैं, हमें विश्वास से प्रभू की सेवा करनी चाहिए, बिना किसी कॉन्ट्रैक्ट से, मेरा अर्थ है कि परमेश्वर से मोलभाव न करे, ये न कहे, अब प्रभू, मैं ये कहता हूं यदि तू मेरे व्यापार को आशीष देगा तो मैं 10 मिशनरी को मदत करूंगा, इन बातों में न आए, बस उन मिशनरी की मदत करें, उदारता से दे और परमेश्वर निर्णय ले कि वो हमारे साथ क्या करना चाहता है, क्योंकि वो उदार होगा/

होमोलेटिक्स के मेरे एक शिक्षक थे, इसका संबन्ध प्रचार से है, उन्होंने कहा कि एक दिन उनका बेटा घास साफ करने के बाद आकर उनसे कहने लगा, डैड, मैंने घास साफ की है, इसका अर्थ ये होना था कि प्लीज़ मुझे पैसे दीजिए, तो उन्होंने अपने बेटे से कहा तुम्हें क्या लगता है कि कितना मिलना चाहिए, तो बेटे ने जवाब नही दिया, पिता ने कहा, तुम्हें क्या लगता है कि कितना मिलना चाहिए, अंत में उसने कहा आप मुझे कुछ पैसे क्यों नही देते? और बेटे ने खा डैड मन चाहता हूं कि आप निर्णय ले, क्योंकि आप बहुत उदार हैं, मैं जानता हूं कि आप मुझे ज्याद देंगें, जो भी मांगू उससे बढकर, परमेश्वर भी ऐसा ही है, आप उसे निर्णय लेने दीजिए और वो आपको उदारता से देगा/

और दूसरा पाठ है मैं सोचता हूं कि केवल विश्वास से बिना किसी कॉन्ट्रैक्ट के, लेकिन हमें समपर्ण से सेवा करनी है, बिना किसी बैर भाव के, जानते हैं ये वचन जो मैंने कुछ समय पहले पढ़ा, ये कहता है कि क्या ये मेरे लिए उचित नही कि मैं अपने लोगों से जो चाहूँ वो करूं? मैं उदार हूं इसलिए तुम द्वेष करते हो, जानते हैं डॉ. रायरी, जिन्होंने रायरी स्टडी बाइबल के नोट्स लिखे, वो एक दिन अमेरिक एयर लाइंस में थे, उन्होंने सैकण्ड

क्लास पैसेंजर से पूछा, याने बिजनेस क्लास से वो फस्ट क्लास में जाए, वो उन में से नही थे, तो वो परेशान हो गए, तो उन्हें ये दृष्टांत याद आया और उन्होंने इसे इस तरह पढ़ा, क्या तुम द्वेष करते हो क्योंकि अमेरिकन एयरलाइंस उदार है, क्या अमेरिकन एयरलाइंस अपने लोगों के साथ जैसे भलाई करना चाहती है वो नही कर सकती है? यदि वो चाहे की किसी को कोच सिट से उठाकर उन्हें फस्ट क्लास ट्रीटमेन्ट दे, क्या ये ठीक नही, क्या मैं इसलिए द्वेष रहता हूं क्योंकि अमेरिकन एयरलाइंस उदार है?

खैर परमेश्वर हम से ऐसे ही व्यवहार करता है, क्या आप ने देखा है, कि परमेश्वर को लोगों को जितनी आशीष देनी चाहिए वो उससे बढकर कर देता है, और वो उन्हें महान आशीष देता है, जो हम सोचते हैं उससे भी बढकर, मैं इसे कहते हुए मुस्कुराता हूं क्योंकि हममें से कोई भी परमेश्वर की आशीष के योग्य नही है, कुछ भी हो अंत में हम सब बिना लाभ के दास हैं, लेकिन जब हम समपर्ण में सेवा करते हैं, और विशेष सौभाग्य पाए लोगों से जलन नही रखते, केवल तक भी खेत का मालिक प्रसन्न होता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अभी अरविन ने जो कहा उसे सुनकर, मैं आप से पूछता हूं क्या आप बिना कॉन्ट्रैक्ट से प्रभू की सेवा कर रहे हैं, या आज प्रभू से मोलभाव कर रहे हैं? और आगे क्या समर्पण से प्रभू की सेवा कर रहे और बिना किसी द्वेष से कि परमेश्वर दुसरे विश्वासियों को कैसे आशीष दे रहा है, जब हम ऐसे जीते हैं तो परमेश्वर बहुत बहुत प्रसन्न होता है, लेकिन अब हम इस सवाल को देखना चाहते हैं, उस व्यक्ति के बारे में क्या जो हॉस्पिटल में हैं, और मसीह में विश्वास करता है, मरने के केवल कुछ हफ्तों पहले, या नौजवान के बारे में क्या, जो कम उम्र में मर जाते हैं, उनके पास मसीह के लिए पूरा जीवन जीने का मौका नही था, क्या वो नौजवान प्रभू से बहुत से प्रतिफल पा सकता है? या थोडा समय जीने के कारण उसे कम मिलेगा? आप अभी जो सुननेवाले हैं वो बहुत महत्वपूर्ण है, तो मैं चाहता हूं कि आप ध्यान से सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: याद रखिए कि जो दाम मिला था वो तो अनुग्रह है, ये ड्यूटी या कानून नही है, जो देरी से आए, वो परमेश्वर के अनुग्रह को पानेवाले थे और उन्होंने इस दृष्टानत में पुरे दिन की मजदूरी पाई, एक घंट के काम के लिए, जानते हैं बुनियादी बात ये है, हम जिसके लायक हैं, परमेश्वर उससे बहुत उदार है, उस व्यक्ति के बारे में क्या जो हॉस्पिटल में थे और मर गए, कुछ हफ्तों पहले मसीह पर विश्वास में आने के बाद, क्या उसने मसीह के लिए अच्छे काम किए हैं, इस उदाहरण में मैं उनके बारे में सोच रहा हूं, वो उस दशा में भी

उससे मिलने आए लोगों को गवाही दे सकते हैं, उन्होंने जो आशा की है उससे भी बहुत उदारता से उन्हें प्रतिफल दिया जाएगा/

उस नौजवान के बारे में क्या जो बहुत कम उम्र में मर गए , जो मसीह से प्रेम करते हैं, मेरे भतीजे, 15 साल की उम्र में, कार एक्सीडेंट में मारे गए, वो कार की पिछली सिट पर वचन याद कर रहे थे, उनके बारे में क्या, उनके पास मौका नही था कि अपने लिए बहुत से प्रतिफल जमा करें, मजदूरी के रुप में, लेकिन प्रभू इस तरह से नही करता है, प्रभू ने उन्हें जितना समय दिया उस में काम करने में वो विश्वासयोग्य रहे, मैं सोचता हूं कि ये सबसे महत्वपूर्ण है/ हमेशा याद रखिए, परमेश्वर इतना उदार है कि जो उससे प्रेम करते हैं उन्हें वो देने से प्रसन्न होता है/ ये महत्वपूर्ण बात है/

जॉन, मैं एक भाई की कहानी बताना चाहता हूं, उनकी एक पत्नी थी और एक बेटा था जिससे बहुत प्यार करते थे, उस बेटे की माँ याने उनकी पत्नी मर गई, वो इस बच्चे के साथ अकेले थे और जानते थे कि बच्चे की परवरिश के लिए मदत चाहिए तो हाउस कीपर ने आकर बच्चे की परवरिश में मदत की, उन्होंने ऐसा किया और इस बेटे से प्यार करती थी, याने अपने बेटे जैसे इससे प्यार किया, खैर, वो भाई मर गए, और बेटा मर गया, और वो ऑक्शन में गई इसलिए नही कि वो सुन्दर चीज़े खरीद सकती थी, या इस धनी मनुष्य की चीज़े खरीद सकती थी, वो केवल इस बेटे की तस्वीर चाहती थी, दिलचस्प बात थी कि कोई वसीयत नही बनाई थी, इसलिए उन्होंने निर्णय लिया कि सारी चीजों को ऑकशन में बेच देंगे, कुछ सेंट्स में उसने वो तस्वीर खरीदी, उसे कोई नही चाहता था, वो उसे घर ले गई, उसे खोला तो उसमे से एक पेपर निकल आया और वसीयत में लिखा था, मैं अपनी सारी विरासत उसे देता हूं जो मेरे बेटे से इतना प्यार करें कि इस तस्वीर को खरीदे/

मैं आप आपको बताता हूं, परमेश्वर अपने पुत्र से प्यार करता है, और यदि हम उसके पुत्र से प्यार करते हैं, तो वो कुछ न रखेगा, जिसने अपने पुत्र न रख छोड़ा लेकिन हम सब के लिए दे दिया, तो वो उसके साथ हमें सब मुफ्त में क्यों न देगा? मैं चाहता हूं कि आप जान ले कि हम यीशु के लिए जो भी सेवा करते हैं, उसे याद किया जाता है और उसे गिना जाएगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप में से कुछ लोग जो अभी देख रहे हैं, आपने शायद डॉक्टर इ भयानक खबर सुनी होंगी, कि आपको बड़ी बिमारी है, शायद कुछ लोगों को बताया गया कि आपके पास बहुत कम समय है, तो कुछ लोगों को तारीख नही बताई गई, लेकिन अंत ज्यादा दूर नही, तो आज हम आपको कैसे प्रोत्साहित कर

सकते हैं, क्या आपके पास अभी भी मौका है कि मसीह के न्याय आसन के लिए तयारी करें? चाहे आपका जीवन कितना भी कम या ज्यादा हो, अद्भुत उत्तर है, हाँ, और इसी कारण ये जवाब हाँ हैं, सबसे पहले कि परमेश्वर अनुग्रहकारी है, प्रेमी है, और उसके लिए हम जो सेवा करते हैं, उसका प्रतिफल देना चाहता है, चाहे समय कम ही क्यों न हो/ अब डॉ. लुथजर जो कहते हैं उसे गौर से सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: यदि आज आप मुझे सुन रहे हैं, तो मैं चाहता हूं कि आप जान ले, कि अभी भी आपके पास मौका है कि आप मसीह के न्याय आसन के लिए तयारी कर ले, चाहे आपका जीवन कितना भी कम हो या ज्यादा हो, मैं उनसे कह रहूँ जो शायद बहुत बीमार हैं, दो बातें, सबसे पहले निश्चित कर ले कि आप से संबंधित सारी बातें, कि पापों का अंगीकार करें और दूसरों के साथ जो भी संभव हो मेलमिलाप कर ले, मैं आपको पौलुस के शब्द याद दिलाता हूं, उसने कहा, यदि हम खुद को परख ले तो हमारा न्याय नही होगा/

दूसरी बात, बाकी जीवन मसीह के लिए जीए, और आप इस दृष्टांत के लोगों जैसे ही पाएंगे, कि परमेश्वर उदार है/ आपने जो भी अपेक्षा की है उससे वो बढकर देगा, और यदि ऐसी परिस्थिति है जहाँ आप सेवा कर सकते हैं, शायद आप हॉस्पिटल के बिस्तर पर पड़े हो, या शायद अपाहिज हो और आप वो नही कर सकते हैं जो हम कह रहे हैं, आप उससे प्यार कर सकते हैं, हैं ना? क्योंकि वो आपके दिल को देखता है और वो आपके विचारों को देखता है, यही पर आप उसकी आराधना शुरू कीजिए, और अपनी योग्यता के अनुसार उसकी सेवा करें, और वचन कहता है कि आप अपना प्रतिफल नही खोएगे/

*****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब हम देख रहे हैं कि बाइबल क्या कहती है मसीह के न्याय आसन के सामने हमारे खड़े होने के बारे में, कुछ लोग पूछते हैं कि बदलाव के पहले मैंने जो भले काम किए थे उसके बारे में क्या? मेरे उद्धार के पहले जो काम मैंने किए थे, क्या मुझे उससे कुछ लाभ होगा? सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं, मैं हमेशा कहता हूं कि बुरा मनुष्य होने से तो अच्छा है कि भले मनुष्य हो जाए, यदि आप विश्वासी नही हैं, तो अच्छा है कि पड़ोस की जगह ध्यान देने वाले लोगों को दे इसके बजाए कि उसे अपराधी लोगों को दे, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप इसे जान ले कि जब परमेश्वर के सामने खड़े होने और स्वर्ग में जाने की बात आती है, भला मनुष्य और अपराधी एक ही परिणाम का अनुभव करेंगे, क्यों?

क्योंकि उनमे से कोई भी भला नही है, आपको परमेश्वर जितना भला होना है, और केवल मसीह आपको इस तरह बना सकता है, जब आप उसकी धार्मिकता पाते हैं, तो आइए स्पष्ट हो जाए यदि आपने उसे स्वीकार नही किया तो जैसे हैं वैसे ही आए, जैसे शेर्लोट एलिएट ने लिखा, मैं जैसे हूं वैसे ही आता हूं, क्योंकि तेरा लहू मेरे लिए बहाया गया है, ये मुझे तेरे पास आने को मजबूर करता है, हे परमेश्वर के मेमने, मैं आता हूं, हम अपनी बड़ी जरूरत को छोड़ और कुछ नही लाते हैं, परमेश्वर अपना सारा अनुग्रह देता है, और फिर मसीह के पास आने के बाद, फिर वो आपसे व्यवहार करता है, बेटे, बेटी के रूप में, हमें अनुशासित करता है और चाहता है कि हम अच्छी सेवा करें, कि हम आने वाले राज्य में अपने स्थान और प्रतिफल को देख सके/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब हम चर्चा कर रहे हैं कि आप विश्वासी के रूप में किसी दिन मसीह के न्याय आसन के सामने अच्छी तरह से करने की अपेक्षा कर सकते हैं, एक प्रतिफल जो विश्वासी मसीह के लिए इमानदारी से जीने के द्वारा पा सकता है, ये तो मसीह के साथ राज्य करने का आदर करने के द्वारा है, ये सब किस बारे में हैं, बाइबल इसके बारे में कहाँ सिखाती है? डॉ लुथजर बताते हैं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर जॉन, अवश्य ही ये हमारी कल्पना से बाहर है कि मसीह हमें अपने साथ राज्य करने देगा, लेकिन वो प्रकाशितवाक्य की किताब में कहता है, जो जय पाए मैं उसे अपने सिंहासन पर बैठाऊंगा, जैसे मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहांसन पर बैठ गया, हम परमेश्वर के सिंहासन पर बैठेंगे, क्या हम इसके लायक हैं बिलकुल नही, क्या हम आलौकिक हैं, नही, इसका यही अर्थ है कि परमेश्वर अनुग्रह से यही चाहा कि हमें उठाए और हमें वो जगह दे जो सच में स्वर्गदूतों के उपर हैं, खैर कोई आशचर्य की बात नही कि शैतान हम पर क्रोधित है, हम उस स्थर के उपर होंगे जो उसके गिरने के पहले था, क्योंकि कोई भी स्वर्गदूत मसीह का भाई नही हो सकता, कोई स्वर्गदूत परमेश्वर का वारिस नही हो सकता, और मसीह का संगी वारिस/ हम प्रतिफल के बारे में कह रहे हैं, ये प्रतिफल क्या हैं? सबसे पहले खास सौभाग्य/

हमारे पास समय नही कि सारे वचनों को देखे, लेकिन मैं आपको प्रोत्साहित करता हूं कि प्रकाशितवाक्य के पहले कुछ अध्याय पढ़े, जहाँ बार बार वो खास आदर के बारे में कहता है, जो जय पाए उसे मैं जीवन के पेड़ से दूंगा जो परमेश्वर के स्वर्गलोक में है/ जो जय पाए उसके पास देशो पर अधिकार होगा, और इस तरह बताता है, लेकिन कुछ लोग सोचते हैं कि सब विश्वासी जयवंत हैं, मुझे नही लगता, ध्यान दे, वचन हमेशा व्यक्तिगत रूप में

कहता है/ जो जय पाए, आज मैं उन लोगों से कह रहा हूं, जो जयवंत हैं, मैं शायद उन लोगों से भी कह रहा हूं, जो जयवंत नही हैं/

और जयवंत कौन हैं? जयवंत वो हैं जो जीवन की परिस्थिति में मसीह के जैसे प्रतिक्रिया करता है, ऐसे जो संसार की महान परीक्षा में खीचा नही जाता है, ऐसा जिसे पैसों से खरीदा नही जा सकता/ ऐसा जो कहने के लिए तैयार हैं प्रभू यीशु मैं जो भी हूं, मेरी हर कोशिश यही रहेगी, खैर कोई भी सिद्धता से नही करता है, लेकिन मेरी श्रमता में सबसे अच्छी तरह से तेरी सेवा करना चाहता हूं चाहे कुछ भी क्यों न हो, वो जयवंत है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: क्या ये अद्भुत नही कि हमारा प्रभू प्रतिज्ञा करता है कि हमने उसके लिए जो भी किया उसके लिए वो हमें प्रतीफ्ल देगा? शायद कुछ विश्वासी सोचे कि उनकी सेवा के लिए उन्हें मुकुट दिए जाएगे, और फिर उस मुकुट को मसीह के चरणों में डालेंगे, बस यही है, याने मसीह के न्याय आसन के दस मिनट बाद, चाहे उन्होंने कितना भी अच्छा या बुरा किया हो, पुरे अनंतकाल में उससे कोई फर्क नही होगा, प्रतिफल महत्वपूर्ण और ज्यादा समय तक बने रहनेवाले नही हैं/ ये सही नही है, और डॉ. लुथजर बताते हैं कि क्यों, इसे सुनिए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: तब प्रतिफल खास आदर और सौभाग्य है, वो केवल कोई मेडल नही हैं, जानते ये विचार की हम अपने मुकुट उसके सामने रख देनेवाले हैं, अक्सर इसके पीछे उद्देश्य होता है कि चाहे मैं मसीह के न्याय आसन के सामने अच्छा करूं या नही कोई बात नही, आइए स्पष्ट हो जाए कि ये सच है कि पौलुस ने कुछ मुकुट के बारे में कहा, आनंद का मुकुट, धार्मिकता का मुकुट, सच में वो जीवन के मुकुट के बारे में कहता है, जो उन्हें दिया जाएगा, जो परीक्षा पर जय पाए, और साथ में उन्हें ही शहीद हुए हैं/

अब हम बहुत से मुकुट पा सकते हैं, मैं परीक्षा पर जय पाने में विश्वासयोग्य रह सकता हूं, मैं मसीह के वापसी की राह देख सकता हूं, और धार्मिकता का मुकुट पा सकता हूं, ये सब वो चिन्ह हैं जिसके बारे में बाइबल कहती है, हमें न ही सोचना है की हमें केवल एक ही मुकुट मिलेगा,जिसे यीशु मसीह के सामने डाल डगे, हम जिस प्रतिफल के बारे में कह रहे हैं, वो ये मुकुट नही हैं, कहिए ये तो वो सौभाग्य हैं, की उसके राज्य में यीशु मसीह के साथ राज्य करना/

जरा सोचिए की ये सौभाग्य कितने बड़े हैं, जब आप इस बारे में सोचते हैं की ये जीवन बहुत छोटा है, ये बाल जितना भी नही है, पुरे अनंतकाल की तुलना में/ मै आज आपसे कहता हूं, आप क्या सोचते हैं, जब आप अपने जीवन को देखते है, कि शायद आप सोचे कीकाश आज मैंने ये किया होता,इसे अभी करें अभी करें, ये मौका है की सदा के लिए प्रभाव डाले, परमेश्वर के साथ के संबंध में, स्वर्ग के संबंध में, और प्रभू यीशु मसीह को प्रसन्न करने का सौभाग्य है/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढण्द्य 2016 ऋच्ड्ढक्ष्